हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, अप्रैल 22, 2024

11 भीमेश्वरी देवी मंदिर में महिला कीर्तन मंडली ने ....

12 महादेव चौक या महाराजा दक्ष प्रजापति चौक का मामला गरमराया

खबर संक्षेप

फंदा लगाने से महिला की मौत

बहादुरगढ़। गांव परनाला में एक विवाहिता का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। मृतका की पहचान करीब करीब 27 वर्षीय सुधा पत्नी मोहित के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मोहित उत्तर प्रदेश मूल का निवासी है। पिछले कुछ समय से यहां परनाल में पत्नी सहित रह रहा था। शनिवार को वह नाइट शिफ्ट में ड्यूटी पर गया हुआ था। कमरे पर पत्नी अकेली थी। सुबह आया तो वह फंदे पर लटकी हुई नजर आई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। लाइनपार थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को नागरिक अस्पताल में ले जाया गया। परिजनों के बयान के बाद पुलिस इस मामले में आगामी कार्रवाई करेगी।

लूटपाट मामले में वांटेड आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा लूटपाट के मामले में वांटेड आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी को माननीय अदालत द्वारा 20 अगस्त 2016 को उद्घोषित आरोपी घोषित किया गया था। शहर थाना प्रभारी सदानंद ने बताया कि जगबीर निवासी फरमाना जिला रोहतक की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान सुब्बी निवासी चिल्लावली जिला मेवात के तौर पर की गई है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा द्वितीय ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ सेक्टर-6 थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। दरअसल, सीआईए को सूचना मिली थी कि बहादुरगढ़-बेरी रोड पर पीडीएम फ्लाईओवर के पास एक युवक है। उसके पास अवैध हथियार हो सकता है। इस दौरान एक टीम वहां गई और आरोपी को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके पास से देशी पिस्तौल बरामद हुई। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। उसकी पहचान मोहित के रूप में हुई है। रोहतक का रहने वाला है। किस मंशा से हथियार लेकर खड़ा था, इस सिलसिले में पूछताछ चल रही है।

देशभर में मशहूर झज्जर की झझरी पर भारी पड़ रहा आरओ वाटर, सुराहियों की डिमांड हो रही कम

कुमार राकेश कायत ▶▶| झज्जर

- बीते समय में मुंबई, पूणे, अहमदाबाद व भोपाल तक थी झज्जर की मशहूर सुराही की धूम
- ठंडे पानी के कैंपर डाल रहे सुराही की डिमांड पर विपरीत प्रभाव

गर्मी में लोगों को सूखे गले में ठंडक लाने के लिए देशभर में मशहूर झज्जर की झझरी अर्थात सुराही के शीतल जल पर आजकल घरों में सप्लाई किया जा रहा आरओ वाटर भारी पड़ने लगा है। मिट्टी कला में निपुण कारीगर इंद्रपाल खोहाल ने बताया कि आजकल मिट्टी जहां महंगी हो रही है वहीं निरंतर उठान के चलते माटी की गुणवत्ता में भी अंतर आया है। चार हजार रुपये की एक ट्राली मिट्टी आती है जिसे तैयार करने में कारीगरों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। उसके बाद तैयार की गई सुराहियों को जब बाजार में उतारा जाता है तो उन्हें उनकी वाजिब कीमत भी नहीं मिल पाती।

बीते समय में फिल्मी सितारों की नगरी मुंबई के अलावा नासिक, पूणे, अहमदाबाद, भोपाल, जयपुर, आगरा आदि बडे. शहरों तक धूम मचाने वाली सुराही की बिक्री अब बढ़ती महंगाई के चलते दम तोड़ने लगी है। उन्होंने बताया कि पहले जहां अकेले छावनी मौहल्ला क्षेत्र में हीं सैंकड़ों परिवार माटी के व्यवसाय के सहारे चलते थे वहीं अब धीरे-धीरे सुराही बनाने की यह कला भी चंद कारीगरों के पास रह गई है। वर्तमान में हालात यह है कि अब इस मौहल्ले में मात्र तीन से चार कारीगर ही सुराही निर्माण में जुटे हैं। मिट्टी कला व्यवसाय से जुटे कारीगर महाबीर ने बताया कि पहले मुंबई सहित महाराष्ट्र व एमपी से भी बड़ी संख्या में सुराही बनाने के आर्डर आते थे लेकिन किराया बढ़ने, गुणवत्ता वाली मिट्टी के दाम बढ़ने व बुरादा महंगा होने के कारण जहां लागत में इजाफा हो रहा है वहीं माल भाड़ा वहन करने के बाद जो कीमत बनती है उस कीमत पर ग्राहक सुराही खरीदने से परहेज करने लगे हैं। इसी कारण मुंबई जैसे दूर-दराज के स्थानों से आर्डर आने कम हो गए हैं। इसके अलावा दूर के सफर में सुराही के टूटने या क्षतिग्रस्त होने के खतरा भी बना रहता है। ऐसे में उनकी 70 रुपये वाली सुराही भाड़ा लगाकर एक सौ रुपये में जाकर पहुंचती है जिसके बाद विक्रेता को भी अतिरिक्त मुनाफा कमाने की चाह रहती है। इसका कारण बोतलों व कैंपर में बिकने वाला ठंडा पानी भी है। आजकल ग्राहक सुराही खरीदने की बजाय वाटर कैंपर मंगवाना पसंद करने लगा है फिर चाहे उसमें स्वास्थ्य का खतरा ही क्यों न हो।

झज्जर। सुराही, मटके व अन्य सामान दुकान लगाए हुए शांति देवी, मटका निर्माण में जुटे कारीगर नरेश बेडवाल, मिट्टी कला से जुडे.कारीगर इंद्रपाल खोहाल।

मटका मात्र एक सौ रुपये में

छावनी मौहल्ला क्षेत्र में ही मटका बनाने के व्यवसाय से जुडे.कारीगर नरेश बेडवाल ने बताया कि अभी गर्मी की शुरूआत है। उनके पास आर्डर आने शुरू हो चुके हैं। लेकिन पहले के समय में उनकी गली में कई लोग मटके तैयार करते थे लेकिन

150 रुपये से 200 रुपये तक की सुराही उपलब्ध

छावनी मौहल्ला में सुराही, मटके व मिट्टी से निर्मित अन्य समान की दुकान लगाने वाली बुजुर्ग महिला शांति देवी ने बताया कि पहले उनका परिवार स्वयं सुराही व मटका निर्माण करता था लेकिन बदलते समय के अनुसार अधिकतर लोगों ने यह व्यवसाय छोड़ दिया। पुश्तैनी व्यवसाय होने के कारण अब वे मोल सामान लाकर यहां दुकान पर बेचती है। उनके पास 150 रुपये व 200 रुपये कीमत में सुराही मौजूद हैं। इसके अलावा 150 रुपये का साधारण मटका तथा टूटी लगे हुए आकर्षक डिजाइन वाले मटके 300 से 400 रुपये कीमत में मौजूद हैं। अब वे एकमात्र ऐसे कारीगर हैं जो इस अभी तक इससे जुडे. हैं। वे रोजाना दिनभर में 15 से 20 मटके तैयार कर रहे हैं। फिलहाल में 300 मटकों का आर्डर आया है। वे थोक रेट में एक सौ रुपये कीमत का मटका बनाते हैं जो आगे बाजार में 150 रुपये तक बिक रहा है।

तीन शातिरों ने फैक्ट्री मालिक से छीनी नई स्कॉर्पियो गाड़ी

बहादुरगढ़। बदमाशों ने इसी जगह से लूटी स्कोर्पियो-एन गाड़ी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- बाइक सवार तीन लुटेरों ने वारदात को अंजाम दिया

इलाके में आपराधिक वारदात बढ़ रही हैं। अब सरेराह एक युवक से गाड़ी छीन ली गई। बाइक सवार तीन लुटेरों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटनाक्रम रोहतक-दिल्ली रोड पर गोरैया टूरिज्म कांप्लेक्स के सामने हुआ है। पुलिस को दी शिकायत में केएलजे हाइट्स के निवासी प्रमोद ने कहा है कि उसकी छोटूराम नगर में फैक्ट्री है। शनिवार की शाम को वह फैक्ट्री से अपने घर जा रहा था। करीब छह बजे रोहतक-दिल्ली रोड पर गोरैया कांप्लेक्स के सामने सामान लेने के लिए रुक गया। इसी बीच बाइक सवार तीन युवक वहां आए और मुझे उतरने के लिए कहने लगे। फिर उन्होंने जोर जबरदस्ती करके मुझे गाड़ी से नीचे खींचकर उतार दिया। एक लड़के ने धक्का मारकर गिरा दिया। मेरी कमर और पांव में चोट आई। इसी बीच शातिर मेरी नई स्कॉर्पियो-एन गाड़ी लेकर भाग गए। गाड़ी में मेरे मोबाइल, घड़ी सहित अन्य दस्तावेज थे। गाड़ी के अभी नंबर भी नहीं आए हैं। उधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की लेकिन लुटेरों का कुछ सुराग नहीं लगा।

बता दें कि रोहतक-दिल्ली रोड सबसे व्यस्तम मार्ग है। दिनभर यहां से लोगों का आवागमन रहता है। शाम के वक्त सरेराह यहां वारदात होना, कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। बहादुरगढ़ इलाके में पिछले कुछ समय से आपराधिक वारदातों में बढ़ोतरी हुई है। अधिकतर वारदात अनसुलझी हैं। ऐसे में देखने वाली बात है कि प्रमोद के साथ हुई यह वारदात पुलिस कब तक सुलझा पाती है। बहरहाल, सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बहादुरगढ़ में विजय संकल्प रैली में गरजे सीएम

भाजपा ने भ्रष्टाचार, परिवारवाद और क्षेत्रवाद से मुक्ति दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- भाजपा सरकार ने शहरी स्वामित्व योजना के तहत किराएदारों को मालिक बनाया

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रविवार को बहादुरगढ़ की सब्जी मंडी में विजय संकल्प रैली के दौरान दो टूक शब्दों में कहा कि हरियाणा में ना बदमाशी चलेगी और ना दबंगई सहन की जाएगी। सीएम नायब सैनी ने कहा कि 400 से अधिक सीटें जीतकर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। कांग्रेसी 55 साल में गरीबी नही हटा पाई और अब एक झटके से गरीबी समाप्त करने की बात कहकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने शहरी स्वामित्व योजना के तहत किराएदारों को मालिक बनाया है। हमने भ्रष्टाचार, परिवारवाद और क्षेत्रवाद से मुक्ति दिलाई है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने नए नवेले सीएम की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि अब सीएम हाउस के दरवाजे कार्यकर्ताओं और नागरिकों के लिए दिन के साथ ही रात में भी खुले हैं। कांग्रेस ने केवल एक बार किसानों के 72 हजार करोड़ का कर्ज माफ किया। जबकि भाजपा पिछले 6 साल से हर वर्ष 72 हजार करोड़ सम्मान निधि के रूप में किसानों को दे रही है। यह मोदी का महारत है कि जो भारत हथियार खरीदने के लिए जाना जाता था, वह अब बेच रहा है।

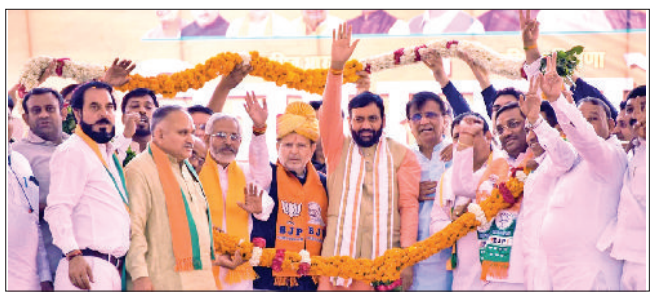

बहादुरगढ़। सीएम नायब सैनी को फूलों की विशाल माला पहनाते भाजपा नेता व संबोधन के दौरान विजय घोष करते मुख्यमंत्री नायब सैनी। फोटो : हरिभूमि

4 करोड़ लोगों को मोदी सरकार ने घर दिए

सांसद डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मोदी राज में धारा-370 हटाने, श्रीराम मंदिर बनाने, महिला आरक्षण लागू करने जैसे अभूतपूर्व काम हुए हैं। आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने के लिए कृतसंकल्प मोदी सरकार ने 4 करोड़ लोगों को घर दिए। पीएम सीएम ने गरीबी देखी है, इसीलिए गरीबों का कल्याण किया है। उन्होंने सीएम से मेट्रो का विस्तार सांपला तक करवाने की पैरवी करने का आह्वान किया। केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनवाई। इस मौके पर भाजपा नेता राजीव जैन, कैप्टन भूपेंद्र, जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, विक्रम कादियान, बिजेंद्र दलाल, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, चेयरमैन कप्तान बिरधाना, चेयरपर्सन सरोज राठी, दिनेश कौशिक, एडवोकेट बलबीर दलाल, रविंद्र छिल्लर बराही, डॉ. पंकज जैन, नवीन बंटी, शतीश नंबरदार व युद्धवीर भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

कहीं खेतों में तो कहीं प्लॉटों में लगी आग

बहादुरगढ़। रविवार को इलाके में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर आग लगने की घटनाएं हुईं। कहीं खेतों में गेहूं व चारा जलकर राख हुआ तो कहीं खाली प्लॉटों में कचरे में आग लगी। इन घटनाओं के चलते दिनभर दमकल कर्मियों को भागदौड़ करनी पड़ी। गांव जसोरखेड़ी, लोहारहेड़ी, निलोठी, आसौदा, टांडाहेड़ी, बुपनिया, सेक्टर-17, एमआईई, ओमैक्स के पास आग लगने की घटनाएं हुई। जानकारी के अनुसार, लोहारहेड़ी में शमशेर के छह बीघा कटे हुए गेहूं तथा राजेश व नीतेश के काफी गेहूं जल गए। कई एकड़ फांस भी जले। इसी तरह गांव जसोरखेड़ी में राजेश के परिवार के करीब सात एकड़ गेहूं की फसल जल गई। बुपनिया, निलोठी व आसौदा में गेहूं तथा फांस जलने की सूचना आई है। जबकि सेक्टर-17, ओमैक्स के पास, एमआईई खाली प्लॉटों में झाड़ियों और कचरे में आग लग गई। सुबह से शाम तक यह सिलसिला जारी था।

मांडोठी में आग से 24 बीघा गेहूं की फसल जली

- खेतों के ऊपर से गुजर रही तारों में शार्ट सर्किट के चलते आग लगने की आशंका जताई जा रही

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी के खेतों में रविवार को आग लग गई। हवा के साथ आग तेजी से फैल गई, जिससे कई बीघा फसल और फांस जलकर राख हो गए। खेतों के ऊपर से गुजर रही तारों में शार्ट सर्किट के चलते आग लगने की आशंका जताई जा रही है। घटना रविवार दोपहर की है। दरअसल, इलाके के खेतों में गेहूं की फसल लगभग पक चुकी है और कटाई कार्य तेजी से चल रहा है। रविवार को मांडोठी के कुछ किसान भी कटाई कार्य में जुटे थे। अचानक दोपहर को यहां के खेतों में आग सुलग गई। तेज धूप के साथ हवा चलने और फसल पकी होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने आग बुझाने के प्रयास किए और दमकल विभाग को सूचित किया। बहादुरगढ़ से दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। जब तक आग बुझ पाती, कई एकड़ में नुकसान हो चुका था। जानकारी के अनुसार, नरेश, राजेश के तीन-तीन बीघा, कृष्ण के चार बीघा, सुभाष के आठ बीघा, बलराम के चार बीघा व संदीप के डेढ़ बीघा खेतों में खड़ी फसल जल गई। वहीं टिंकू के आठ बीघा और नरेश के पांच बीघा फांस जलकर राख हो गए।

बहादुरगढ़। मांडोठी के खेतों में लगी आग को बुझाने में जुटी दमकल की टीम।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत, मामला दर्ज

झज्जर : रविवार सुबह झज्जर-बादली मार्ग पर पैदल जा रहे युवक को तेज गति से आ रही कार ने टक्कर मार दी। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कुलदीप पुत्र आजाद सिंह के तौर पर की गई है। जानकारी अनुसार कुलदीप पुत्र आजाद सिंह अपने भाई जसदीप के साथ घूमने के लिए गया था। इसी दौरान तेज गति से आ रही कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिसके कारण लगी गंभीर चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया। कुलदीप विवाहित था और गुरूग्राम में एक निजी कंपनी में कार्य करता था। कुलदीप का एक बेटा और एक बेटी है। जांच अधिकारी बिजेंद्र ने बताया कि शिकायत के आधार पर कार्यवाई करते हुए कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्यवाई अमल में लाई जा रही है।

धरती का सीना छलनी होने के बावजूद धृतराष्ट्र बने बैठे हैं अधिकारी

आओ बचाएं धरा, खनन और दोहन से खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- विश्व धरा दिवस पर विशेष : प्रशासन को गफलत में रखकर इस समय जमकर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा

हम खनन और दोहन के माध्यम से लगातार धरा का हनन कर रहे हैं। धरती मां हमें समय-समय पर सावधान भी करती रही है। धरती के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते है। बावजूद इसके हम अपनी धरती को खोखला करते जा रहे हैं। धरती का सीना छलनी हो रहा है, पर जिम्मेदार अफसर धृतराष्ट्र बने हैं। हमने भी यह सोचने की शायद जरूरत ही नहीं समझी कि आखिर इस तरह प्रकृति हम पर कुपित क्यों हो रही है?

दरअसल, विकास की अंधी दौड़ ने हमारी आंखों पर पर्दा डाल रखा है। शहरी क्षेत्र में जहां जल का अत्यधिक दोहन किए जाने से जलस्तर तेजी से नीचे की और खिसकता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में मिट्टी माफिया सक्रिय है। प्रशासन को गफलत में रखकर इस समय जमकर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है।

बहादुरगढ़। अवैध खनन के बाद ट्रॉली में भरके ले जाई जा रही मिट्टी।

करीब पांच सौ से अधिक ईंट भट्ठे भी मिट्टी के अवैध खनन के भरोसे चल रहे

जिले में संचालित होने वाले करीब पांच सौ से अधिक ईंट भट्ठे भी मिट्टी के अवैध खनन के भरोसे चल रहे हैं। विकास एवं निर्माण कार्य में प्रयुक्त मिट्टी भी अवैध खनन के जरिए ही आ रही है। अधिकांश जगह बिना रायल्टी जमा किए ही नियमों को ताक पर रखकर जेसीबी मशीन से मिट्टी का खनन किया जा रहा है। अवैध खनन करने वाले माफिया ट्रालियों में कौड़ियों के भाव मिट्टी बेच रहे हैं। संकट की आहट का आंकलन इसी से किया जा सकता है कि हर साल जलस्तर नीचे खिसक रहा है और धरती तप रही है। इसके साथ ही शासन को भी राजस्व के रूप में लाखों रुपए की क्षति भी हो रही है। स्थिति बिगड़ जाने के बाद सोचना या इलाज करना समझदारी नहीं कही जा सकती है। महज 22 अप्रैल विश्व धरा दिवस के दिन आयोजित कार्यक्रमों में चिंता जताना ही हमारा कर्तव्य नहीं होना चाहिए। होना यह चाहिए कि पूरे 364 दिन हम अपनी धरती मां के संरक्षण का ध्यान रखें।

प्रॉफिट की चाह में गंवाए पौने सात लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पुलिस द्वारा जागरूकता मुहिम चलाने के बावजूद भी ठगी की वारदातों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लग पा रहा। पढ़े-लिखे लोग भी लोभ-लालचवश शातिरों के झांसे में आकर अपनी जमा पूंजी गंवा रहे हैं। बहादुरगढ़ में इस तरह के कई मामले हो चुके हैं। अब एक और वारदात सामने आई है। बिडिंग कंपनी में प्रॉफिट का झांसा देकर यहां के निवासी एक युवक को पौने सात लाख रुपये की चपत लगाई गई है। पीड़ित ने पुलिस शिकायत दे दी है। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वारदात संदीप के साथ हुई है। संदीप मूल रूप से सिरसा जिले का रहने वाला है। यहां बहादुरगढ़ की एक कॉलोनी में रहता है और सेक्टर-16 में स्थित एक कंपनी में काम करता है। गत 31 मार्च को टेलीग्राम पर संदीप के पास एक लड़की का मैसेज आया। उस लड़की ने कहा कि वह हार्वे नॉर्मन कंपनी से बोल रही है। हमारी कंपनी ऑनलाइन बिडिंग का काम करती है। उस लड़की ने संदीप को टेलीग्राम पर अपनी कथित कंपनी से संबंधित साइट का लिंक भेजा और उस पर रजिस्टर करने के लिए कहा। रजिस्टर के बाद संदीप को एक ग्रुप में जोड़ लिया। फिर उसे इसी साइट पर ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट की बोली लगाने के लिए कहा गया। एक प्रोडक्ट की वैल्यू 3599 रुपये और सेल अमाउंट 3700 दिखाया गया। इस पर संदीप ने 40 प्रोडक्ट की बोली लगा दी। बदले में उसके खाते में प्रॉफिट के 2125 रुपये भेज दिए गए। इस तरह से संदीप उनके झांसे में पूरी तरह से आ गया।

ऐसे जाल में शातिरों ने फंसाया

शातिरों ने लगातार मैसेज कर उसको प्रोडक्ट पर बोली लगाने के लिए कहा और यह भी कहा कि यह रकम आपको टेंपरेरी तौर पर खाते में जमा करनी होगी, जो बाद में आपको वापस मिल जाएगी। इस तरह से शातिरों ने 11 बार करके उससे अपने खातों में रुपये मंगवाए। संदीप ने कभी हजारों में तो कभी लाख से अधिक ट्रांसफर किए और इस तरह से 18 अप्रैल तक छह लाख 75 हजार 488 रुपये भेज दिए। इतनी रकम ऐंठने के बाद भी शातिरों का मन नहीं भरा। उन्होंने संदीप से 9 लाख पांच हजार 999 रुपये की और डिमांड की। शातिरों ने कहा कि ये रुपये जमा कराने के बाद ही आपके सारे रुपये आपको वापस मिलेंगे। अब संदीप उनके मंसूबे भांप चुका था लेकिन देर हो गई थी। उसने शातिरों से रुपये वापसी के लिए कहा लेकिन उन्होंने रिस्पांस नहीं दिया।

साहित्य

तर्कों की झड़ी, तर्कों की धूलि और अन्धबुद्धि. ये सब आकुल व्याकुल होकर लौट जाती है, किन्तु विश्वास तो अपने अन्दर ही निवास करता है, उसे किसी प्रकार का भय नहीं है।

-रवींद्रनाथ टैगोर

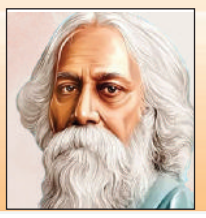

कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता।

कहानी | डोली शाह

स्मरण

गंगा प्रसाद बचपन से ही एक रईस दबंग खानदान से ताल्लुक रखता था। वह पुरखों की बनाई हुई चाय बागान की ही थोड़ी बहुत देखभाल करता और अपना जीवन व्यतीत करता। वह कम पैसों में ही बंजर पड़ी जमीन को जरूरतमंदों को समझा देता, लेकिन जिस तरह कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। सोचता किसी न किसी तरह आखिर पेट तो भर ही जाएगा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें, राशन- पानी, सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता। तभी उसने एक छोटी सी पंक्ति खोली लेकिन वहां भी खरीदार से ज्यादा टाइम पास करने वालों का ही तांता लगा रहता। एक दिन बेटा टिंकू अपने दोस्तों के साथ चाय बागान पहुंचा। चलते-चलते वह बागान के अंतिम छोर तक पहुंचने ही वाला था कि टिंकू ने कहा-यार! मैं तो थक गया और चलना मेरे बस में नहीं! अन्य दोस्त ने कहा 'इतनी जल्दी!'
'हां फिर तो यदि पूरा बागान होता तो कभी जा ही ना पाते।' 'क्या?' 'हां, वह तो लोगों के बसने के कारण इतनी छोटी हो गई है। यह सारा जो दाढ़ी वालों की बस्ती है,पहले लक्ष्मी अंकल का ही था।'
'सचमुच।' 'हां,कभी अपने पापा से पूछकर देखना, पहले जितनी जमीन अभी होती तो तुम लोगों की शायद पैसे रखने की भी जगह ना होती। वह तो दूसरों को देने के कारण खेती की जमीन छोटी हो गई और उर्वरता कम होकर दिन प्रतिदिन फसलें भी कम होती जा रही हैं। टिंकू ने घर पहुंचते ही पूछा, 'पापा हमारे बागान के उत्तर की तरफ जो मकान है क्या वह हमारी जमीन थी।' 'हां बेटा , तुम्हारे दादाजी बहुत दयालु थे, जब भी कोई उनसे अपना दुखड़ा कहता, वह उसे सही मान लेते और ऐसा करके ही उन्होंने पूरी जमीन का आधा हिस्सा औरों में ही बांट दिया है।'
'पापा फिर आपने कुछ कभी कहा नहीं?'
'क्या कहूं उन दाढ़ी वालों को, किसी से कहने भी जाओ तो कहते हैं हमें गंगा प्रसाद जी ने दिया है।' 'तो क्या उन्होंने कागजी दस्तावेजों पर भी अपना हाथ साध लिया है?' ' हां,अपनी तरफ से उन्होंने थोड़ा बहुत जुगाड़ तो कर ही लिया है।'

इतने में एक कर्मचारी पूरे दिन का हिसाब किताब लेकर लक्ष्मी लाल जी के पास पहुंचा। बातों-बातों में उसने बताया, 'इरफान के घर के आगे दो-तीन दिनों से एक पक्के मकान की नींव दी जा रही है। आज पूछा तो पता चला कि 'वहां एक मस्जिद के निर्माण की तैयारी चल रही है।'
'क्या?' 'हां साहब, उनकी मंशा तो बढ़ती ही जा रही है। इन्हें रोकना होगा लेकिन ठंडे दिमाग से! वह सैकड़ों वर्षों से रहते हैं। मैंने कुछ नहीं कहा लेकिन आज उन्हें रोकना होगा।' अगले दिन प्रातःकाल लक्ष्मी लाल वहां पहुंचा। 'अरे! साहब, आप अचानक यहां कैसे!'
'नहीं बस यूं ही, बहुत दिन हो गए थे तो देखने आ गए।' 'लेकिन इरफान तुम यह यहां क्या बनवा रहे हो, पहले कच्चे मकान की जगह पक्के मकान तक तो कोई बात नहीं, लेकिन अब हम किसी धर्म स्थान की इजाजत नहीं देंगे।'
'क्यों यह हमारी जमीन है, हम चाहे जो भी करें।'
'इरफान यह तुम भी बखूबी जानते हो और मैं भी..., देखो मैं कोई झगड़ा-झंझट नहीं चाहता, लेकिन मैं यहां कोई कम्युनल बिल्डिंग बनने नहीं दूंगा! ना कोई मंदिर, ना कोई मस्जिद, चाहे कुछ भी हो जाए।' 'लेकिन क्यों' 'किसी और की जमीन पर रहने से वह अपनी नहीं हो जाती।'
'देखते हैं हमें कौन रोकता है बनवाने से' इरफान ने गुस्से में लाल-पीला होकर कहा। टिंकू ने जाकर पुलिस में केस दर्ज कर दिया जिससे मामला काफी गंभीर हो गया। नामौजदूगी की वजह से केस कोर्ट तक पहुंच गया। तारीख- पर-तारीख करते काफी वक्त गुजर गया। पिता की उम्र देख अब टिंकू ही हर दिन पढ़ाई से बचे समय में ही चाय बागान देखने जाता। इरफान की बेटी फराह भी इस बागान में पत्ती तोड़ने आती। उसका पतला, लंबा, छरहरा बदन रूप-रंग, गठन, मानो देखते ही बनता था। टीकू भी उसे बड़े ध्यान से देखता। वह उससे बातें करने का प्रयास भी करता, लेकिन वक्त ने कभी साथ नहीं दिया। एक तरफ मालिक तो दूसरी तरफ कर्मचारी..! एक दिन टिंकू कर्मचारियों को वेतन दे ही रहा था कि फराह कुछ देर से पहुंची। टिंकू ने मौका देख उससे पूछा 'आज इतनी देर से तुम?''हां ! घर का कुछ काम करने लगी थी, कोई बात नहीं...' पूरा दफ्तर सन्नाटा हो चुका था। इस सप्ताह कितने दिन काम किया था?' 'पूरे 6 दिन साहब।' 'लेकिन फराह, तुम्हें थोड़ा इंतजार करना होगा!'
'क्यों साहब?' 'मैंने भांगीलाल को छुट्टे लाने भेजा है। आता ही होगा!' फराह की चुप्पी देख वह खुद को रोक नहीं पाया। बोला, 'क्या बात है, इतनी चुप्पी?' 'कुछ तो बोलो अकेले हैं हम।'
'क्या बोलूं?' 'कितनी पढ़ाई की है तुमने?' 'दसवीं तक, फिर छोड़ दिया।' 'पढ़ने का मन नहीं करता साहब!' 'तुम चाय बागान में काम मत किया करो!' 'क्यों?' 'ऐसे ही।' 'अच्छा नहीं लगता ,तुम्हें काम करते देखकर।' 'लेकिन साहब केवल अब्बू की कमाई से भोजन-पानी, पढ़ाई का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है, जिससे मुझे भी काम करना पड़ता है।' टिंकू उसे टकटकी लगाए देखता रहा । फराह नजर झुकाए बैठी थी। 'क्यों लेकिन 12वीं तक की पढ़ाई के सारे खर्चे तो सरकार मुफ्त ही दे रही है सिर्फ विद्यार्थियों का मन होना चाहिए। तुम कहो तो अब्बू से बात करूं? 'करिए ...लेकिन लगता नहीं कि अब्बू मानेंगे।' इतने में भांगीलाल छुट्टे लेकर पहुंचा। टिंकू ने फराह को 1200 रुपये थमाए। मन ना होते हुए भी उसे जाना पड़ा। टिंकू मन ही मन चिंतित हुआ कि कुछ दिन पहले ही झगड़ा और फिर मैं यह सब क्या सोच रहा हूं ,कैसे बोलूंगा। फिर एक दिन वह कुछ दोस्तों के साथ फराह के घर पहुंचा। अब्बू अवाक होकर बोले, 'अब यहां तुम! यहां क्यों आए हो!' 'यूं ही बस। चाचा जी! केरल सरकार ने चाय जनजाति की बालिकाओं को नयी योजना में 12वीं तक की शिक्षा केलिए बिल्कुल मुफ्त शिक्षा नीति प्रारंभ की है। यहां तक कि रहने-खाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी और यदि अच्छे नंबरों से पास किया तो मुफ्त स्कूटी तक प्रदान की जाएगी। सचमुच यदि हमारे गांव की लड़कियों को स्कूटी की सुविधा मिल गई तो कितना गौरव बढ़ेगा। 'फराह ने तो दसवीं तक पढ़ाई कर छोड़ ही दिया।'
'अब भी कुछ देर नहीं हुई, मन हो तो वह पढ़ सकती है।' 'हां बात तो तुम सही कह रहे, पता करके सारी स्कीम की जानकारी मुझे दो।'
'जी जरूर। उसने उसका 11वीं में दाखिला भी करा दिया। अब टिंकू रोज प्रातःकाल चाय बागान से होकर ही कॉलेज जाता जिससे दोनों को एक दूसरे की आदत-सी पड़ गई। कोर्ट में कार्रवाई के लिए तारीख पर तारीख। उधर दोनों के बीच रिश्ते को आगे बढ़ाने का वादा। अब टिंकू को अजहर के खिलाफ कोर्ट में गवाही के लिए खड़े होने में बड़ा अटपटा सा लगता। तभी एक दिन बातों ही बातों में फराह ने टिंकू से कहा 'हमारे गांव में ऐसी कोई जगह नहीं जहां थोड़ी देर अकेले बैठकर समय व्यतीत किया जा सके।' 'अरे! फरहा, समय है किसके पास!' 'फिर भी मन तो होता है, कभी कुछ वक्त अपने साथ, प्रकृति के साथ बिताने का।' 'है तो अपना चाय बागान!' 'अरे ! दोस्त! वहां भी तो हर टाइम कर्मचारी ही रहते हैं।'
'बात तो तुम्हारी सही ही है।'
टिंकू मन ही मन सोचता रहा इतने में फराह बोली 'क्यों ना हमारे अब्बू ने जहां मस्जिद के लिए निर्माण कार्य शुरू किया था वहीं उनकी गुजारिश से एक ओर पार्क का निर्माण कराया जाए।'
'हां ,सचमुच।' 'लेकिन टिंकू इस बात को तुम पहले अब्बू को बोलना!' टिंकू ने अगले दिन ही इरफान के पास अपनी इच्छा प्रकट की, 'चाचा जी अब बाबूजी अक्सर अस्वस्थ ही रहते हैं और अकेले मुझसे केस -फौजदारी होगा नहीं।'
'तो क्या कहना चाहते हो?'
'चाचा जी क्यों ना हम उसी जमीन पर एक छोटे से पार्क का निर्माण करायें, जिससे कुछ देर तो इंसान प्रकृति के बीच रह सके, अपने आप से बातें कर सके और जगह जमीन लेकर क्या लड़ना-झगड़ना। सब को तो खाली हाथ ही जाना होगा।'
इतने में फराह चाय लेकर पहुंची- 'अब्बू चाय।'

चाय पीकर उठते हुए पिंटू ने कहा, 'चाचा जी मैं चलता हूं लेकिन मेरी बातों पर विचार जरूर कीजिएगा, क्योंकि गांव में एक पार्क यदि हो जाए तो पूरे गांव का विकास भी होगा।' यह बात ज्यों ही इरफ़ान ने घर पर बताई, 'बताएं?' फराह फौरन बोली । 'अब्बू यह बहुत अच्छा विचार है, पार्क होगा तो बाहर से लोगों का आना-जाना भी होगा। संस्कृति का आदान-प्रदान भी होगा। अब्बू ना मत करो! प्लीज ,यह तो गोल्डन ऑपच्यरुनिटी है,अब्बू अपनी स्मृति बनाने के लिए।
सोचिए ना, मस्जिद बनती तो सिर्फ वहां हमारे ही धर्म के लोग आते, लेकिन पार्क में तो हर धर्म समुदाय के लोग आएंगे। सबके बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।' इरफान बेटी की बातों को ना नहीं कर सका। बोला, 'अच्छा तुम लोगों की मर्जी।'
फराह ने फौरन यह सूचना टिंकू को दी। टिंकू ने भी अपने घर पर सारी बातें बताई। वह अगले दिन ही प्रातः काल बागान पहुंच टिंकू ने पूछा, 'इरफान साहब! क्या सोचा मेरी बातों पर?' 'चलो ठीक है। लेकिन मैं ने तो मस्जिद के लिए इस जमीन पर एन ओ सी लिया था। अब कोर्ट की कागजी कार्रवाई सिर्फ तुम्हें ही करनी होगी।' आप हां तो कीजिए, बाकी सब हम देख लेंगे।' 'लेकिन एक शर्त है क्या इसमें मेरा भी नाम रहेगा।' 'अच्छा चलिए वह भी मान लिया।'टिंकू वहां से चल दिया। वह घर आकर ही फौरन कॉलेज पहुंचा । फराह से मिलकर बोला, 'हमारी मेहनत रंग ला गई। तुम्हारे अब्बू ने मुझे पार्क के लिए कागजी कार्रवाई तैयार करने को बोला है।' यह सुन दोनों के चेहरे पर एक सांत्वना की खुशी की लहर दौड़ गई। 'सचमुच कभी सोचा नहीं था कि अब्बू मान जाएंगे। इसलिए तो कहा जाता है प्रयास ही सफलता की पूंजी है, सच्ची अब हमारे रिश्ते भी प्रयास के बदौलत ही सफल होंगे।' हां इतना कह के दोनों जोर से हँस पड़े।

(लेखिका शिक्षिका एवं साहित्यकार हैं)

कविता | नृपेन्द्र अभिषेक नृप

उन्हें अब वक्त नहीं

ये दुनिया बड़ी निष्ठुर है
जिन पर आप
अपनी जान छिड़कते हैं
वे वक्त आते ही बदल जाते हैं

जिनके लिए आपका
हर पल होता है
उन्हें वक्त नहीं होता
जब उनका वक्त आता है
जिनके जीवन का
आधार थे कभी आप
एक वक्त के बाद उनके
आधार भी बदल जाते हैं

स्तम्भ के सानिध्य में
आपके रिश्तों को भी
वे तोड़ जाते हैं
क्योंकि अब उनके पास
वक्त नहीं है आपके लिए
आपके सपनों के लिए
आपके अपनों के लिए
और आपके रिश्तों के लिए

दुनिया की रीत है यही
लोग आपके वक्त को देख
अपना वक्त बदल लेते हैं।

कविता | निधि राठी

खुशनुमा

हर रोज थोड़ा संवरती है, थोड़ा संभलती है,
इतराती है, आईने से बातें करती है,
हवा सी उड़ती है, खुशनुमा सी हस्ती है,
मिजाज गरम है, लहजा नरम है,
हार जाएगी, ये तुम्हारा भ्रम है,
खिलखिला कर निकल जाती है वो इन तंग गलियों से,
कुछ ऐसे खुदा के उसे पर कर्म है।

पुराने ख्यालों की लड़की है,
हल्की सी बिंदी और गजरे से अपने बालों को सजाती है,
आसमान से बातें करती है, चांद के संग ठहाके लगाती है, सितारों से बहस करती है, सूरज को मात देती है,
यूं तो फूल सी नाजुक है पर कांटों से भिड़ जाती है,
यूं ही लोग उसे माया नहीं कहते,
वो अपनी मोहब्बत से पत्थर में जान डाल जाती है।

बड़ी गहरी बातें करती है, प्रेम में विश्वास रखती है,
अजीज बना ले अगर किसी को,
तो दिल की बेहद गरीब रखती है,
ठोकरें खाती है, फिर उठ जाती है,
कई बार अपनों से ही मार खाती है,
आहट तक नहीं आती उसकी तकलीफ़ के शोर से,
कुछ इस कदर अपने जज़्बातों को संभाल कर रखती है।

लघुकथा | अम्बिका कुमारी कुशवाहा

रिश्ते

गुप्ता जी बड़ी देर से बालकनी में टहल रहे थे। काफी चिंतित दिख रहे थे और बार बार मेन गेट की ओर देखे जा रहे थे। तभी उनकी पत्नी साधना जी चाय लेकर आती है और कहती है 'क्यों इतना परेशान हो रहे हो? थोड़ी देर कुर्सी पर बैठ भी जाओ। गुप्ता जी ने एक गहरी सांस ली और वही कुर्सी पर बैठ चाय पीने लगे।

गुप्ता जी की चिंता का कारण उनकी बेटी पायल जो आज ही अपने ससुराल से आ रही है। गुप्ता जी का छोटा बेटा उसे लाने गया है। तभी मेन गेट खुलता है गुप्ता जी की बेटी पायल अपने भाई स्वराज के साथ घर में आती है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी बेटी का हाल चाल लेते है उसके तुरंत बाद पायल अपने पुराने कमरे में चली जाती है। गुप्ता जी पत्नी बेटी के लिए खाना बनाने को कह किचन में चली जाती है। गुप्ता जी फिर से कुर्सी पर बैठ गहरी सोच में डूब जाते है। गुप्ता जी ने अपनी बेटी पायल को काफी पढ़ाया लिखाया था पायल एक सॉफ्टवेयर कंपनी में जॉब भी करती थी। गुप्ता जी ने बेटी का विवाह एक प्रतिष्ठित परिवार में किया था। पायल का पति एक अच्छे पद पर कार्यरत है। लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद ही पायल ने अपनी नौकरी छोड़ दी। लेकिन क्यू?? ये पायल ने अपने मां बाप को बताया नही। जब हदें पार कर गई, पायल का पति उसे अनेक तरह से प्रताड़ित करने लगा तब पायल ने अलग होने का फैसला लिया। और मां पापा को बताया की वो वापस आ रही है। बेटी के रिश्तों को बचाने के लिए मां बाप ने भी काफी कोशिश की लेकिन कोई हल नहीं निकला। पायल पूरी तरह टूट चुकी थी। स्त्रियां जो होती है वो अंत तक कोशिश करती है रिश्तों को बचाने की। रिश्ते महज उनके लिए रिश्ते नही बल्कि उनकी भावनाओं के साथ एक जुड़ाव होता है। अलग होने के फैसला बहुत कठिन होता है लेकिन जब रिश्तों की बुनियाद खत्म हो जाती है तब कुछ बचाने को बचा नही होता है। और उस रिश्ते से बाहर निकल जाना ही एक रास्ता बचा होता है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी भी बेटी की तकलीफों के आगे बेबस थे। फिर भी बेटी को हौसला देने को खड़े है। समाज ऐसा है की लड़कों का अतीत महज एक कहानी होती है लेकिन लड़कियों का अतीत कलंक बन जाता है। गुप्ता जी कुर्सी से उठकर बेटी के कमरे की ओर गए साथ में उनकी पत्नी भी पीछे से नाश्ता लेकर गई।

साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है।

साक्षात्कार | शशि कांत चौहान

कालजयी रचनाओं की कमी से साहित्य के पाठक हुए कम: डॉ सुमन

कालजयी और स्तरीय लेखन में कमी आने से युवाओं ही नहीं, बल्कि हर उम्र के पाठक वर्ग में कमी आई है। अच्छा साहित्य पढ़ने को मिले तो सभी की रुचि होगी और साहित्य पढ़ने के प्रति प्रेरित होंगे। यह कहना है महिला साहित्यकार डॉ. डॉ सुमन कादयान का।

वह कहती हैं कि युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि कम होने का दूसरा बड़ा कारण यह है कि आज उसके सामने धनोपर्जन की बड़ी चुनौतियां है। आज युवा सबसे पहले आजीविका कमाने का साधन ढूंढने को प्राथमिकता देता है। इतना ही नहीं कमाई का एक नहीं वह कई इनकम सोर्स चाहता है, इसलिए वह साहित्य पढ़ने को कम तवज्जो दे रहा है। आज का युवा रोजगार के चक्कर में संस्कृति, प्रकृति और कला से भी विमुख हो गया है, यही कारण है कि वह असंवेदनशील हो गया।
आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति ठीक है। हम जानते हैं कि लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है। साहित्य की महत्ता कभी खत्म नहीं हो सकती। 25 फरवरी 1972 को रोहतक जिले के कंसाला गांव में जन्मी सुमन के पिता रामधारी सिंह खोखर रोहतक जाट स्कूल में गणित में अंग्रेजी के शिक्षक थे। माता धनपति देवी गृहिणी थी। हालांकि परिवार में साहित्य से किसी का जुड़ाव नहीं था। भाई-बहन भी साहित्य से नहीं जुड़े हुए थे, लेकिन पढ़ने में सबकी रुचि थी। बचपन से ही बहुत कुछ लिखने की इच्छा थी किंतु घर का माहौल साहित्यिक नहीं था। शादी के बाद उन्हें साहित्यिक माहौल मिला तो उनके अंदर का साहित्यकार सक्रिय हो गया तथा लिखना आरंभ किया। एक बार लेखन शुरू किया तो फिर कलम रुकी ही नहीं। डॉ सुमन कादयान का साहित्य के बारे में मानना है कि साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोक साहित्य में रुचि कैसे पैदा हुई इस बारे में उन्होंने बताया कि वैसे तो लोक साहित्य व संस्कृति में मेरी बचपन से ही रुचि थी, किन्तु शादी के बाद पति साहित्यकार डॉ ओमप्रकाश कादयान का साहित्य एवं लोक संस्कृति के प्रति समर्पण भाव देखकर उचित माहौल मिल गया। पहले लेख लिखे फिर कविताएं आरम्भ की। डॉ सुमन कादयान के लेखन का फोकस लोक साहित्य पर है। वे आसपास एकत्रित हुई औरतों से लोक साहित्य संग्रह कर लेती हैं। उनकी पहली कविता थी- ***यादों के समंदर में डूब जाने को जी चाहता है***
उसमें से मोती निकालने को जी चाहता है
काश! कोई लौटा दे वो सुंदर-सा बचपन मेरा
दोबारा जिंदगी जीने को जी चाहता है।
साहित्य लिखते-लिखते आकाशवाणी केंद्र से बहुत-सी वार्ताएं व कार्यक्रम प्रसारित हुए तो अच्छा लगा। लेखन में कठिनाई कोई नहीं आई। उनके आलेख अधिकतर हरियाणवी लोककला, संस्कृति व सांस्कृतिक विरासत पर रहे हैं। इसके अलावा कुछ सामाजिक मुद्दों पर लिखनी चली। कविताएं प्रकृति, संस्कृति व प्रेम पर आधारित रही हैं। सुमन की आरम्भिक शिक्षा जाट स्कूल, रोहतक, फिर आईसी महिला महाविद्यालय से स्नातक तथा आगे की पढ़ाई कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय,से हुई। ये हेलना कौशिक महिला महाविद्यालय, मलसीसर (झुंझनू) में हिन्दी की सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थी। घर से अधिक दूर होने के कारण नौकरी छोड़ दी। वर्तमान में ये ओम स्ट्रलिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ सुमन कादयान की हरियाणा के संस्कार गीत, हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत, देवी शंकर प्रभाकर : बहुमुखी प्रतिभा के धनी, चिलमन से झांकती निगाहें, उसकी चाहतों का समन्दर, माट्टी की खुश्बू,महकता मधुमास, कतरा कतरा जिंदगी, रास्तों की शुरुआत और सुलगते जज्बाज आदि ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा इनकी रचनाएं देशभर के विभिन्न पत्र पत्रिकाओं और समाचारों में प्रकाशित होती हैं तथा रोहतक, कुरुक्षेत्र तथा हिसार आकाशवाणी से वार्ताएं प्रसारित हुई हैं।

डॉ सुमन कादयान

पुरस्कार व सम्मान

डॉ सुमन कादयान देवीशंकर प्रभाकर अवार्ड, पंजाब कला साहित्य अकादमी पंजाब का विशेष अकादमी सम्मान, निराला कला साहित्य संस्थान, बस्ती (यूपी) से 'राष्ट्रीय साहित्य गौरव' सम्मान, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा 'साहित्य शिरोमणि' सम्मान के साथ-साथ अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुकी हैं। जिसमें रानी लक्ष्मीबाई सम्मान, कवि त्रिलोचन सम्मान एस-एफ-वाई-डी- (दिल्ली) द्वारा प्रदान किये गए। फोटोग्राफी में हरियाणा लोक सम्पर्क विभाग तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा भी सम्मान पा चुकी हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नामः डॉ सुमन कादयान
जन्मतिथिः 25 फरवरी 1972
जन्म स्थानः कंसाला रोहतक (हरियाणा)
शिक्षाः एम.ए. हिन्दी, पी.एच.डी. डी लिट मानद (विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ) भागलपुर बिहार

सृजनशील व्यक्ति को बार-बार आना चाहिए

पुस्तक समीक्षा | दिनेश दिनकर

दस पुस्तकों के पन्नों पर कलम और चित्रकारी के हजारों पन्नों पर रंग की कूची चलाने वाले सृजनशील व्यक्ति लक्ष्मीनारायण पांचाल जी अपनी आत्मकथा के रूप में ग्यारहवीं पुस्तक 'मैं फिर आऊंगा' के साथ पाठकों के समक्ष उपस्थित हैं। उम्र और सृजन क्षेत्र में छह दशक बिता चुके वरिष्ठ कवि, लेखक और कला अध्यापक रहे पांचाल जी अपने अनुभवों को निचोड़ते हुए एक सार्थक आत्मकथा के रूप में प्रस्तुत करने में निश्चित रूप से सफल रहे हैं। पुस्तक में दस अध्यायों में अपने बचपन से लेकर पुस्तक छपने तक के निजी जीवन, शैक्षणिक जीवन, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने अनुभवों, दायित्वों, विचारों को बेहद शालीनता के साथ यहां क्रमबद्ध किया गया है। लेखक ने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ एक कुशल सृजनशील का परिचय देते हुए अपनी कमियों और समाज में सुधारों की ओर भी अपनी कलम को आजाद रखा है।

'मैं फिर आऊंगा' आत्मकथा में 70-80 के दशक की जीवनशैली से अनभिज्ञ पाठक जब लक्ष्मीनारायण की दिनचर्या को पढ़ते हैं, पुस्तक में संकलित इनकी यात्रा वृत्तांत को पढ़ते हुए इसमें शामिल होते हैं तो लगता है मानो सामने कोई चलचित्र चल रहा हो। इस बात का जिक्र आत्मकथा में लेखक की पोती अवन्तिका भी करती रहती है। यहां शब्दों के चयन, लेखक के साहित्यिक अनुभव की तारीफ करना एक कृतज्ञता लगता है। जवाहर नवोदय विद्यालय में कला अध्यापक के पद पर रहते हुए लेखक को भारत के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में पोस्टिंग, अलग-अलग तरह के विचारों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और लोगों से मिलने का अवसर मिलता रहा है। जिसके परिणामस्वरूप यहां आत्मकथा में घटनाओं, अनुभवों और उपलब्धियों में अधिकता देखने को मिलती है। निश्चित रूप से जवाहर नवोदय विद्यालय से संबंध रखने वाले लाखों विद्यार्थी और स्टाफ के साथ कला और साहित्य प्रेमियों के लिए यह पुस्तक एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में अपनी पहचान बनाएगी।

यहां कहना अतिश्योक्ति होगा कि निजी जीवन, परिवार, समाज, शिक्षा, देश की संस्कृति, तकनीक, पारिवारिक संस्कार और एक नागरिक होने के प्रति जिम्मेदारी इत्यादि को लेकर सच्चाई से परिचय करवाते हुए रेखांकित घटनाओं में काल्पनिकता का अभाव है जिससे पाठक इस आत्मकथा और यात्रा वृत्तांत से अपनापन महसूस करेंगे।

पुस्तक : मैं फिर आऊंगा
लेखक : लक्ष्मीनारायण पांचाल
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : सुलेखा प्रकाशन

साहित्यकारों के जीवन में झांकती किताब

पुस्तक समीक्षा | अरुण कुमार कैहरबा

डॉ. सुरेन्द्र कुमार की 'आत्मकथाएं: साहित्यिक परिवेश' साहित्यकारों के जीवन में झांकने वाली एक बेहतरीन किताब है। रामदरस मिश्र, हंसराज रहबर, हरिवंश राय बच्चन, गोपाल प्रसाद व्यास, उपेन्द्रनाथ अश्क, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, काका हाथरसी, ओम प्रकाश वाल्मिकी सहित कितने ही साहित्यकारों की आत्मकथाओं के जरिये उनके प्रसंग इस किताब में संजोए गए हैं। साहित्यकारों के आपसी संबंधों और विशेष घटनाओं का किताब में विवरण ही नहीं है, बल्कि उनके साहित्य के प्रेरक तत्वों की समीक्षा भी है। किताब को छह अध्यायों में बांटा गया है, जिनमें पहला अध्याय 'काव्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' है। यह अध्याय किताब के सबसे अधिक पन्ने ले गया है। इसका एक कारण तो यह लगता है कि लेखक की कवियों व उनकी कविताओं में दिलचस्पी है। दूसरा कारण यह भी लगता है कि पुस्तक का हिस्सा बने अधिकतर साहित्यकार लेखन की शुरूआत काव्य लेखन से ही करते हुए दिखाई देते हैं। लेखक कहता है- 'बच्चन, नगेन्द्र, अमृतलाल नागर, गोपाल प्रसाद व्यास, बेचन शर्मा उग्र, काका हाथरसी, निराला प्रायः सभी रचनाकारों ने काव्य लेखन के द्वारा ही साहित्य के क्षेत्र में कदम रखा। विभिन्न कवियों के काव्य-संग्रह और उनके समय के कवि सम्मेलन साहित्य और कविता के लिए माहौल का निर्माण करते हुए लोगों में चेतना का निर्माण कर रही थी।दूसरे अध्याय 'गद्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' में कहानी, उपन्यास और नाटक आदि गद्य विधाओं पर आधारित किताबों के प्रसंग पढ़ने को मिलते हैं। 'साहित्यिक परिवेश व हिन्दी भाषा', 'साहित्यकारों का फक्कड़पन और पत्रकारिता', 'आलोचना की पृष्ठभूमि' और 'अनुवाद से संवाद' शीर्षक अध्याय अपनी संक्षिप्तता व सारगर्भिता के कारण पाठकों पर विशेष प्रभाव अंकित करते हैं।

पूरी किताब विभिन्न किताबों का निचोड़ प्रस्तुत करती है और पाठकों को साहित्यकारों के जीवन, उनकी बहुविध रचनाओं की पृष्ठभूमि के साथ ही अनूठा रसास्वादन करवाती है। लेखक को उनकी बेहतरीन किताब के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। आशा है उनकी रचनात्मकता यूं ही विकास करेगी और आगामी किताबों में पाठकों को दिखाई देगी।

पुस्तक : आत्मकथाएं: साहित्यिक परिवेश
लेखक : डॉ. सुरेन्द्र कुमार
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक : कलमकार पब्लिशर्स

खबर संक्षेप

दसवीं कक्षा का छात्र घर से हुआ लापता

कसोला। भूडला गांव से दसवीं कक्षा का छात्र घर से लापता हो गया। पुलिस शिकायत में सुरेश ने बताया कि उसका बेटा 18 वर्षीय जितेंद्र दसवीं कक्षा में पढ़ता है। वह 17 अप्रैल को अचानक बिना बताए घर से कहीं चला गया।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने जाडरा में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत 3 मार्च को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने गांव निवासी पवन व विकास को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड की बाइक चोरी

बावल। आईएमटी के सेक्टर-9 से चोर एक सिक्योरिटी गार्ड की बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस को दर्ज शिकायत में महेंद्रगढ़ के बैरावास निवासी सुनील ने बताया कि वह एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड है। वह अपनी बाइक कंपनी के बाहर खड़ी करने के बाद सामने प्लॉट में चाबी देने के लिए गया था। वापस आने पर उसे बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

कार की टक्कर से टैंपो सवार महिलाएं घायल

कुंड। कुंड बैरियर के निकट कार की टक्कर से टैंपो में सवार दो महिलाएं घायल हो गईं। गंगायचा अहीर निवासी अमन सैनी अपने बच्चों और पड़ोस की महिला के साथ टैंपो में बासदुधा से रेवाड़ी की ओर जा रहा था। बैरियर के पास एक कार ने टैंपो को टक्कर मार दी। इस हादसे में उसकी पत्नी मंजू व पड़ौस की महिला सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गईं। बच्चों को भी मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और अप्राकृतिक यौन संबंध के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को दर्ज शिकायत में विवाहिता ने पति व ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और पति पर जबरन अप्राकृति यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने 23 जनवरी को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी।

मेले में महिला के गले से सोने की चेन उड़ाई

कुंड। बासदुधा में आयोजित बाबा भैंरू के मेले में एक महिला के गले से सोने की चेन चोरी हो गई। पुलिस शिकायत में सरेली निवासी मनीषा ने बताया कि वह मेले में बाबा भैंरू के दर्शन करने के लिए गई थी। भीड़ में उसके आसपास कुछ महिलाएं थीं। भीड़ का फायदा उठाते हुए किसी महिला ने उसके गले से सोने की चेन उड़ा दी।

बहू के साथ झगड़ा होने पर सास घर से गायब

डहीना। थाना खोल अंतर्गत एक गांव में बहू के साथ झगड़ा होने के बाद सास घर से लापता हो गई। महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी का घर में पुत्रवधु के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसके बाद 19 अप्रैल को शाम के समय उसकी पत्नी घर से लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी।

मारपीट मामले में दो आरोपी किए गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल हुए व्यक्ति के बयान पर 15 जनवरी को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी।

तेरा दर्शन पाने हम भी आए हैं, बेरी वाली को मनाने हम भी आए हैं

भीमेश्वरी देवी मंदिर में महिला कीर्तन मंडली ने मां के भजनों का किया गुणगान

- श्रद्धा के फूल चढ़ाने हम भी आए है शेरा वाली को मनाने हम भी आए है..मां के भजन गाते हुए श्रद्धालु माता भीमेश्वरी देवी के दर्शनों के लिए महिला कीर्तन मंडली बेरी के लिए रवाना हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। मां भीमेश्वरी देवी मंदिर परिसर में भजन प्रस्तुत करते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

तेरा दर्शन पाने हम भी आए है, बेरी वाली को मनाने हम भी आए है, श्रद्धा के फूल चढ़ाने हम भी आए है शेरा वाली को मनाने हम भी आए है..मां के भजन गाते हुए श्रद्धालु माता भीमेश्वरी देवी के दर्शनों के लिए महिला कीर्तन मंडली बेरी के लिए रवाना हुए। माता के दरबार में पहुंचकर सभी ने मां भीमेश्वरी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। मां भीमेश्वरी देवी के दर्शन कर सर्वमंगल की प्रार्थना की। बाबा कांशीगिरी महिला कीर्तन मंडली की सदस्यों ने बेरी मंदिर के प्रांगण में कीर्तन कर माता का भजनों से गुणगान किया।

इस अवसर पर महिला मंडली की प्रधान इंदु भूगडा, संतोष हंस, तुशू, शशी खत्री, किरण अरोड़ा, नयन हंस, संगीता वर्मा, तेजल, पूनम छाबड़ा, सुषमा गोसाई ने बेरी वाली को मनाने हम भी आए है..,जागो जागो हे ज्वाला माई जागो, तेरे भक्त जगाने आये, तेरे द्वार पे राम जी आये, संग सीता माया को लाये..,मेरा सुखी रहे परिवार माता कृपा करो, मेरा इन्ही से है संसार, माता कृपा करो...भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

बेरी। होनहार प्रतिभागी विद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

स्लोगन और पोस्टर के माध्यम से दिया जागरूकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेरी

- गांव धांधलान स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्षेत्र के गांव धांधलान स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पोस्टर मेकिंग, स्लोगन सहित अन्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राचार्या सुनीता देवी ने वोट के प्रति जागरूकता को लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों को वोट के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर शत प्रतिशत मतदान करने के लिए शपथ दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे घरों में जाकर अपने अभिभावकों व पड़ोसियों को आगामी 25 मई को घरों से निकाल कर मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डालने के लिए प्रेरित करें। मतदान का दिन पर्व की तरह मनाएं और पूरे उत्साह के साथ भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी विनीता कुमारी, कमलेश रानी, नीता देवी, सुमन रानी, मोनिका, राजवंती सहित स्टॉफ के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

- हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम

शहर के टीला मौहल्ला स्थित शिव मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के प्रधान नरेश शेखुपुरा, उप प्रधान सतीश रोहिल्ला, सचिव कपिल शर्मा, सह सचिव दिनेश भारद्वाज, कोषाध्यक्ष अनिल गर्ग व यजमान के रूप में नोएडा दिल्ली से नवीन चंद्र शर्मा, बृजभूषण शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा ने हनुमान जी की मंदिर में स्थापित चालीस मूर्तियों का पूजन कर सुंदर कांड का पाठ किया। इस दौरान धीरज शर्मा, ओमप्रकाश गोयल, सत्यपाल शर्मा, वेद आर्य, प्रवीण गर्ग, केशव सिंघल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झूठे प्रचार से गुमराह कर रहे भाजपाई

बहादुरगढ़। इनेलो के लाइनपार इलाके के जोन अध्यक्ष अजय कादियान के अनुसार गत दिवस भाजपा में शामिल हुई महिला कार्यकर्ता नैंसी देवी व सोनिका का इनेलो से कोई वास्ता नही था। उन्होंने कहा कि भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज ने इन महिलाओं को इनेलो का कार्यकर्ता बताकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया है। कादियान ने कहा कि इनेलो नेता नफे सिंह राठी की हत्या के बाद भाजपा व कांग्रेस के नेता ओच्छी हरकत करने से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में भाजपा नेता जैन भी सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए इस तरह के झूठे प्रपंच रच रहे हैं। अजय ने दोहराया कि भाजपा में शामिल होने वाली दोनों महिलाएं कभी इनेलो से नहीं जुड़ी रही।

- अजय ने दोहराया कि भाजपा में शामिल होने वाली दोनों महिलाएं कभी इनेलो से नहीं जुड़ी रही

कार्ड अपडेट कराने के बहाने साइबर ठग ने लगाया हजारों का चूना

- पुलिस ने ठगी का केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए पुलिस से लेकर बैंक तक लोगों को ओटीपी शेयर नहीं करने का पाठ पढ़ाते हैं, इसके बावजूद साइबर ठग लोगों को जाल में फांसने में कामयाब हो रहे हैं। ओटीपी बताकर एक क्रेडिट कार्ड धारक ने खुद हजारों रुपये का चूना लगवा लिया। पुलिस ने ठगी का केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी। धारूहेड़ा थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में जीतपुरा निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह एक किरयाना की दुकान पर काम करता है। उसके पास एक मोबाइल नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उसे बताया कि वह बैंक का कर्मचारी है। उसका क्रेडट कार्ड अपडेट करना है, इसलिए वह कार्ड का सीसीवी नंबर बताए। उसने फोन करने वाले को सीवीवी नंबर बता दिया।

बैंक कर्मचारी समझकर बताया ओटीपी

आई कार्ड भेजने के बाद पवन को विश्वास हो गया कि यह वास्तव में बैंक का कर्मचारी है। उसने फोन करने वाले को ओटीपी नंबर बता दिया। अगले दिन सुबह उसके पास मैसेज आए, जिसमें दो बाद उसके कार्ड से 35153 व 22861 यानि कुल 58014 रुपये निकलने की सूचना थी। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें यह राशि ट्रांसफर की गई है।

26 तक पात्र व्यक्ति बनवा सकते हैं वोट

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे अहम कड़ी मतदाता हैं। लोकतंत्र के पर्व में हर नागरिक मताधिकार का प्रयोग कर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इसके लिए प्रत्येक मतदाता यह सुनिश्चित कर ले कि उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। जिस मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, केवल वही मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, लेकिन उसके पास मतदाता पहचान पत्र नहीं है तो वह निर्वाचन आयोग द्वारा निर्दिष्ट अन्य वैकल्पिक पहचान पत्र दिखाकर भी अपना वोट डाल सकता है। उन्होंने कहा कि वोट बनवाने में महज छह दिन का समय शेष बचा है ,ऐसे में नागरिक आगामी 26 अप्रैल तक अपना वोट बनवा सकते हैं।

- हर नागरिक मताधिकार का प्रयोग कर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

जज बनकर अपराधियों को जमानत देने वाले चोर की मौत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

न्यायाधीश बनकर अपराधियों को जमानत देने से लेकर लग्जरी कार चुराने में माहिर अपराधी धनीराम मित्तल की 85 साल की उम्र में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कई दशकों तक अपराध की दुनिया में सक्रिय रहे मित्तल की बृहस्पतिवार को मौत हो गई, जो स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझ रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब और राजस्थान में चोरी के 150 मामलों में मित्तल 90 से अधिक बार जेल गया था। उन्होंने कहा कि मित्तल के अपराधों की सूची लंबी है, वह अपने जीवनकाल में चोरी, धोखाधड़ी और जालसाजी के 1,000 से अधिक मामलों में सीधे तौर पर शामिल था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मित्तल सबसे पहले 1964 में धोखाधड़ी के एक मामले में फंसा था और उसके बाद वह लगातार अपराध में लिप्त रहा।

निजी इस्तेमाल के लिए पार्किंग से चुराता था कारें

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने याद किया कि मित्तल ने निजी इस्तेमाल के लिए हरियाणा स्थित झज्जर अदालत की पार्किंग से कारें चुराई थीं। उन्होंने कहा कि जब हम मित्तल की आपराधिक प्रोफाइल पढ़ रहे थे, तो हमें पता चला कि वह कुछ दिनों के लिए झज्जर में न्यायाधीश बनकर पहुंचने में कामयाब रहा और लंबी सजा काट रहे अपराधियों को रिहा करने का आदेश पारित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि मित्तल काफी पढ़ा लिखा था और उसने रोहतक से प्रथम श्रेणी में बीएससी और बाद में राजस्थान से एलएलबी किया। अधिकारी ने बताया कि एलएलबी के बाद, उसने विभिन्न अधिवक्ताओं के लिए मुंशी (क्लर्क) के रूप में काम किया। लेकिन वह अपनी निजी खुशी के लिए कारें चुराता था। उसने जाली दस्तावेज भी बनाए और स्टेशन मास्टर की नौकरी हासिल की और 1968 से 1974 तक काम किया। बृहस्पतिवार को उसकी मौत हो गई, क्योंकि वह बीमार था और उसे दिल का दौरा पड़ा था। मित्तल का दिल्ली के निगमबोध घाट पर उसके बेटे ने अंतिम संस्कार किया।

युवती ने वीडियो कॉल से जाल में फंसा कर हड़पे हजारों

रेवाड़ी। साइबर फ्रॉड की घटनाएं रुकन का नाम नहीं ले रही हैं। थाना सदर अंतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति को बार-बार वीडियो कॉल से जाल में फंसाकर युवती ने लगभग2 लाख रुपये का चूना लगा दिया। इसके बाद भी उसे फर्जी पुलिस बनकर साइबर ठगों ने ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। थाना सदर पुलिस को दर्ज शिकायत में जयसिंह नाम के पीड़ित ने बताया कि उसके पास 14 अप्रैल को एक लड़की की कॉल आई थी। वह बार-बार उसके पास कॉल करने लगी। देर रात तक वह उसके पास वीडियो कॉल करने लगी। उसके मना करने के बाद भी वह अपनी हरकत से बाज नहीं आई।

रिजॉर्ट व होटल बुक कराने के नाम पर ठगी

नई दिल्ली। हिल स्टेशनों पर रिसॉर्ट व होटल बुक कराने के नाम पर डॉक्टर को चूना लगाने वाले तीन जालसाजों को नॉर्थ साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके नाम अभिषेक, करण मजूमदार और अभिषेक वर्मा हैं। पुलिस ने इनके पास से मोबाइल, डेबिट कार्ड, चेकबुक, पासबुक, पेटीएम, सिमकार्ड, वाईफाई राउटर आदि सामान बरामद किया है। पुलिस को इन जालसाजों के खिलाफ कई अन्य शिकायतें भी दर्ज होने का पता चला है। डीसीपी मनोज कुमार मीना के अनुसार हिंदू राव अस्पताल के एक डॉक्टर ने ठगी की शिकायत साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि टूर पैकेज की खोज में वह कैनेवस कॉन्टिनेंटल रिजॉर्ट एंड स्पा प्राइवेट लिमिटेड के वेबपेज पर पहुंचे।

आधार कार्ड से कई खाते खोलने का डर दिखाकर लगाया 3.38 लाख का चूना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

- साइबर ठग लगतार लोगों को बना रहे निशाना

गढ़ी बोलनी रोड पर एलीगेंट सिटी निवासी एक व्यक्ति को उसके आधार कार्ड से फर्जी बैंक खाते खुलने और विदेश में कंसानमेंट भेजने का डर दिखाकर साइबर ठगों ने 3.38 लाख रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में एलीगेंट सिटी में रहने वाले मूल रूप से कोलकाता निवासी राहुल जैन ने बताया कि उसके पास 17 अप्रैल को मुंबई की एक कोरियर सर्विस के नाम से फोन आया था। फोन करने वाले ने अपना नाम राहुल देव बताया कि उसकी आधार कार्ड की कॉपी का यूज मुंबई से ईरान तक कंसाइनमेंट भेजने के लिए किया गया है। इसके अरमान मलिक रिसीवर है। जब उसने फोन करने वाले को बताया कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है, तो फोन करने वाले ने बताया कि तुम्हारे आधार कार्ड का यूज करके 37 अवैध बैंक खाते खोले गए हैं। उसे ऑनलाइन बयान दर्ज कराने के साथ-साथ पुलिस से क्लीयरेंस सर्टिफिकेट भी लेना होगा। वैध खातों की जांच करने के लिए उसने अपनी रकम रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को स्थानांतरिकत करनी होगी। आधार विवरण के अनुसार 3 वैध खाते ही रखे जाएंगे। इसके बाद उसने अपने अलग-अलग खातों से फोन करने वाले व्यक्ति के बताए खातों में 338014 रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में उसे पता चला कि उसके साथ साइबर फ्रॉड किया गया है।

आरोपियों पर तुरंत एक्शन लेने की मांग

राहुल जैन ने पुलिस शिकायत में बताया कि यह कोई बड़ा गिरोह है, जिसके खिलाफ तुरंत एक्शन लेना जरूरी है। यह लोग तुरंत एक्शन नहीं लेने की सूरत में कई अन्य लोगों को भी अपना शिकार बना सकते हैं। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिन खातों में राहुल जैन की राशि ट्रांसफर कराई गई है।

लखदातार मित्र मंडल की ओर से एक शाम लखदातार के नाम आयोजित

बोलो बोलो प्रेमियों....भजन पर झूमे श्रद्धालु

- एक शाम लखदातार के नाम चतुर्थ श्री श्याम वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया
- मंच का संचालन धर्मेंद्र बसवाल द्वारा किया गया।
- कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉक्टर अरविंद शर्मा ने भी बाबा का भजन गाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉक्टर अरविंद शर्मा बाबा का भजन गाते हुए।

शहर के सीताराम गेट क्षेत्र स्थित पंचायती धर्मशाला में जय बाबा लखदातार मित्र मंडल की ओर से एक शाम लखदातार के नाम चतुर्थ श्री श्याम वार्षिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें सांसद डॉक्टर अरविंद शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए श्याम बाबा का आशीर्वाद लिया। जबकि कार्यक्रम का शुभारंभ अमरसिंह सैनी ने श्याम बाबा की ज्योत प्रज्वलित कर किया। भजन गायक भारत खुराना, रोहित कटारिया, हेमंत नंदा, नीलम दीदी वृंदावन, अमित, यनिक सैनी ने बाबा के भजनों से गुणगान किया।

भजन गायक रोहित कटारिया, हेमंत नंदा ने गजानंद महाराज पधारों, कीर्तन की तैयारी है.. तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे..मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे राम आएंगे..बोलो बोलो प्रेमियों श्याम बाबा की जय..पकड़ लो हाथ बनवारी..सांवली सूरत पे मोहन दिल दिल दीवाना हो गया...खाटू वाला श्याम मेरे घर आया..भक्तों को दर्शन दे गई रे एक छोटी सी कन्या.. आदि भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। मंच का संचालन धर्मेंद्र बसवाल द्वारा किया गया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में शत प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाती सुपरवाइजर।

शत-प्रतिशत मतदान की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- सुमित्रा देवी ने नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक किया और उन्हें निष्पक्ष भाव से मतदान करने की शपथ दिलाई

शहर के महावीर पार्क में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। विभाग की सुपरवाइजर सुमित्रा देवी ने नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक किया और उन्हें निष्पक्ष भाव से मतदान करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान सी-विजिल एप के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने उपस्थित मतदाताओं को बताया कि मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान बेहद जरूरी है। इस दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया और लोगों को शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पार्षद प्रवीण कुमार भी उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

झज्जर। जेएलएन नहर में युवक की तलाश करते हुए पुलिस टीम।

डूबे युवक की तलाश में चलाया सर्च अभियान

झज्जर। क्षेत्र से गांव लडायन में शादी समारोह में शामिल होने आया युवक जेएलएन नहर में डूब गया। परिजनों व ग्रामीणों को पता चलने पर सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से सर्च अभियान चलाया, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया। बाद में भौंडसी से आई टीम ने भी बोट के माध्यम से सर्च अभियान चलाया, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। युवक की पहचान विपिन पुत्र भागमल निवासी लाधुवास जिला रेवाड़ी के तौर पर की गई है। बताया जा रहा है कि टीम बोट के माध्यम से अकेहड़ी मदनपुर पंप हाऊस तक सर्च करते हुए पहुंच चुकी है। नहर के पानी को बंद करवा दिया गया है।

छुट्टी पर आए फौजी के साथ की मारपीट

झज्जर। क्षेत्र के गांव रईया में छुट्टी पर आए फौजी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में रोहित कुमार पुत्र रामनिवास ने बताया कि वह 36 दिन की छुट्टी पर आया हुआ है। बीती 18 अप्रैल को वह अपने दोस्त मोहित की बारात में बिरही छप्पार जिला चरखी दादरी गया हुआ था। इसी दौरान गांव का ही एक युवक उसके साथ झगड़ा करने लगा। बाद में गांव के दूसरे व्यक्तियों ने मामला शांत करवा दिया। 19 अप्रैल को वह अपने ट्रैक्टर को लेकर खेत में जा रहा था, इसी दौरान उसने ट्रैक्टर को रूकवाकर मारपीट की और शोर मचाने पर भाग गए। इस बीच उसका आईकार्ड भी गुम हो गया।

सेक्टर-16 के दमकल केंद्र में चोरी

बहादुरगढ़। एचएसआईआईडीसी सेक्टर-16 में स्थित दमकल केंद्र कार्यालय में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर इस कार्यालय परिसर में से एमडीटी टैब चुरा ले गए। वारदात 19 अप्रैल की है। जब सामान जांचा गया तो वारदात का पता चला। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

सेक्टर-6 स्थित शिवांश के निवास पर पहुंचकर किया सम्मान

राठी खाप ने किया शिवांश का अभिनंदन

शिवांश को विरासत में प्रतिभा मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव खरहर के मूल निवासी शिवांश राठी द्वारा 63वां रैंक लेकर यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर रविवार को राठी खाप द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। राठी खाप के प्रधान रणबीर राठी, गांव परनाला के सरपंच प्रतिनिधि अशोक राठी, रामकिशन मास्टर, जितेंद्र प्रधान, अशोक परनाला व रविंद्र राठी आदि ने सेक्टर-6 स्थित शिवांश के निवास पर पहुंचकर उसका सम्मान किया। रणबीर राठी व अशोक प्रधान ने बताया कि शिवांश को विरासत में प्रतिभा मिली है। शिवांश के दादा कंवल सिंह राठी भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हैं। ताऊ वीरेंद्र राठी भी आईआरएस रहे हैं और चाचा जितेंद्र एमडीयू में प्रोफेसर हैं। जबकि मामा वीरेंद्र कुमार पंजाब कैडर में आईएएस हैं। शिवांश के पिता रवींद्र राठी ने भी हरियाणा सिविल सर्विस की परीक्षा भी पास कर ली थी, लेकिन वह भर्ती पूरी नही हो पाई। शिवांश की माता डॉ. सुदेश राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्रोफेसर हैं। शिवांश को सम्मानित करते हुए राठी खाप के प्रतिनिधियों ने भरोसा जताया कि देश के विकास में शिवांश का अहम योगदान रहेगा।

बहादुरगढ़। पगड़ी व लोई से शिवांश का अभिनंदन करते राठी खाप के प्रतिनिधि तथा अभिलाष सुंदरम को सम्मानित करते समिति पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। दीप्ति रोहिल्ला का अभिनंदन करते ईओ संजय रोहिल्ला व अन्य।

समिति ने किया होनहारों का अभिनंदन

बहादुरगढ़। यूपीएससी परीक्षा के परिणामों में शानदार प्रदर्शन करने वाले चारों होनहारों का सर्व कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष विनय गोयल समेत अन्य पदाधिकारियों ने अभिनंदन किया। विदित है कि सेक्टर-6 के निवासी शौर्य अरोड़ा ने देशभर में 14वीं रैंक हासिल की थी। जबकि शिवांश राठी ने 63वां रैंक पाया था। नेहरू पार्क के निवासी अभिलाष सुंदरम ने 421वां रैंक प्राप्त किया और टाटा होम्स में रहने वाली नेहा ने भी 719वीं रैंक हासिल की थी। समिति सदस्यों ने चारों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

आईएएस चयनित दीप्ति का समाज ने किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

यूपीएससी में देशभर में 39वीं रेंक हासिल करने वाली दीप्ति और उनके परिवार का रविवार को क्षेत्र में जोरदार स्वागत किया गया। दीप्ति का स्वागत टिकरी कलां गांव और बहादुरगढ़ के हरदयाल स्कूल में हुआ। ढोल नगाड़ों के साथ दीप्ति को स्टेज तक लाया गया। दीप्ति की उपलब्धि पर न केवल उनका परिवार खुश है बल्कि शहर और पारिवारिक मित्र भी बेहद खुश हैं। इस मौके पर नगर परिषद ईओ संजय रोहिल्ला, रमेश रोहिल्ला, वीरेंद्र रोहिल्ला, सुनील रोहिल्ला, राजेंद्र रोहिल्ला, सोनू रोहिल्ला, ऑल अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन डॉ. महिपाल रोहिल्ला, सचिव जयभगवान रोहिल्ला, जिला झज्जर प्रधान डॉ. अभिषेक रोहिल्ला, डॉ. सुनीता रोहिल्ला, अजय, सुनील वशिष्ठ, सुनील गहलोत, सुरेंद्र, चंचल, निकुंज रोहिल्ला, हर्ष रोहिल्ला, मीताक्ष रोहिल्ला, राकेश रोहिल्ला, मास्टर रवि रोहिल्ला, मनदीप पांचाल, अनिल सैनी, सौम्या, दीक्षा, इशू, इशिता, सृष्टि, तनिष्का आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। महावीर जयंती पर भंडारे में प्रसाद वितरित करते जैन समाज के लोग।

महावीर जयंती पर विधान के बाद भंडारा

- जैन धर्म के अनुयायियों ने मंदिरों में किया विशेष कार्यक्रमों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर में रविवार को महावीर जयंती श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई। जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर की 2623वीं जयंती पर उनके अनुयायियों ने मंदिरों में इस अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। अग्रवाल कॉलोनी में स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में शांति विधान का पाठ किया गया। दोपहर में अनाज मंडी में स्थित पांडुशिला पर भंडारे का आयोजन किया गया। रविवार को उनकी जयंती के उपलक्ष्य में शहर की अग्रवाल कॉलोनी में स्थित जैन मंदिर में विशेष पूजा अर्चना हुई। भगवान महावीर की स्थानीय प्रतिमाओं का पारम्परिक ढंग से अभिषेक किया गया। प्रधान सुनील जैन ने बताया कि भगवान महावीर का जन्म आज से करीब ढाई हजार साल पहले कुंडलपुर में हुआ था। वे जैन धर्म के 24वें और आखिरी तीर्थंकर (महापुरुष) थे। भगवान महावीर को पांच अलग-अलग नामों (वर्धमान, वीर, अतिवीर, महावीर और सन्मति) से बुलाया जाता है। भगवान महावीर ने पांच बहुत सरल से तरीके बताये थे जिनके द्वारा मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती जा सकती है। सत्य, अहिंसा, चोरी ना करना, अधिक संग्रह ना करना और जीवन में शुद्धिकरण करना। रविवार सुबह मंदिर में शांति विधान के बाद दोपहर में अनाज मंडी स्थित पांडु शिला पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें पुरुष, महिलाओं व बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में विजय जैन, अश्वनी जैन, नितिन जैन, रतन जैन, विनोद जैन, सुरेंद्र जैन व अनिल जैन आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के बताए मार्ग पर चलकर इंसान बहुत ही सरल जीवन जी सकता है।

सड़क दुर्घटना में दो महिलाओं सहित तीन घायल

झज्जर। क्षेत्र के गांव झांसवा-झाड़ली मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में दो महिलाएं भी शामिल है। पुलिस को दी शिकायत में विजय पुत्र सुंदरलाल निवासी झांसवा ने बताया कि बीती 19 अप्रैल को वह मोटरसाईकिल पर अपनी पत्नी और भाभी के साथ झाड़ली रेलवे स्टेशन पर जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही गाड़ी ने मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी। जिसके कारण तीनों को चोटें लगी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

अनाज मंडी रही बंद, केवल फसल उठान का हुआ कार्य

- बंपर आवक के कारण अनाजमंडी में जगह-जगह फसलों की ढेरियां लगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को अनाज मंडी बंद रही और फसल खरीद का कार्य नहीं किया गया। मंडियों में केवल सरसों व गेहूं के उठान कार्य का ही किया गया। रविवार को 144000 क्विंटल सरसों और 31सौ क्विंटल गेहूं का उठान कार्य किया गया। बता दें कि सरसों व गेहूं की फसल की बंपर आवक के कारण अनाजमंडी में जगह-जगह फसलों की ढेरियां लगी हुई है। मंडी में लगे फसलों के अंबार के कारण किसानों को ट्रैक्टर-ट्रालियां लाने-ले जाने में भी परेशानी आ रही है। हालांकि जेसीबी की सहायता से फसलों के ढेर को और अधिक ऊंचाकर रास्ता दुरुस्त किया जा रहा है लेकिन फसल की निरंतर आवक के कारण स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। जिसके कारण सरकार द्वारा पत्र जारी कर झज्जर, मातनहेल व बादली खरीद केंद्र को पूर्ण बंद करने का निर्णय लिया गया।

झज्जर। अनाज मंडी में लगी गेहूं की ढेरियों ऊंचा करते हुए जेसीबी।

महादेव चौक या महाराजा दक्ष प्रजापति चौक का मामला गरमराया, पंचायतों का दौर जारी

- दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के सांपला रोड पर महादेव चौक व दक्ष प्रजापति चौक बनाए जाने का मामला निरंतर तूल पकड़ा जा रहा है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए है। एक पक्ष जहां महादेव चौक को बनाने को लेकर अडिग है, वहीं दूसरा पक्ष महाराजा दक्ष प्रजापति चौक बनाए जाने की बात कह रहा है। इसी मामले को लेकर जहां शनिवार को छावनी मौहल्ला स्थित दक्ष प्रजापति धर्मशाला में प्रजापत समाज द्वारा पंचायत कर चौक का नामकरण नहीं किए जाने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी, वहीं रविवार को दूसरे पक्ष द्वारा माता गेट स्थित सैनी धर्मशाला में पंचायत की गई। पंचायत में वार्ड नंबर चार के पार्षद दिनेश छिकारा ने कहा कि सांपला मार्ग स्थित छोटे डायवर्सन मार्ग पर महादेव चौक बनाने को लेकर ही नगर परिषद हाऊस की बैठक में प्रस्ताव पारित हुआ था, जबकि बड़े बाईपास के नजदीक महाराजा दक्ष प्रजापति चौक बनाने का निर्णय लिया गया था। लेकिन अब विवाद खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत में निर्णय लिया गया है कि महादेव चौक निर्माण के लिए जल्द समिति का गठन किया जाएगा और नियमानुसार महादेव चौक ही बनवाया जाएगा।

झज्जर। माता गेट क्षेत्र स्थित सैनी धर्मशाला में पंचायत के दौरान उपस्थित लोग।

सचिन ने किया कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

युवा कांग्रेस के हलकाध्यक्ष सचिन जून ने जसौरखेड़ी में आयोजित सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कबड्डी विकास समिति द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में 17-18 मई को पानीपत में होने वाली राज्य स्तर की स्पर्धा के लिए टीम का चयन किया गया। सचिन ने आयोजकों को 11 हजार रुपए भेंटकर कबड्डी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

बहादुरगढ़। कबड्डी खिलाड़ियों के साथ सचिन जून व अन्य। फोटो : हरिभूमि

- सचिन ने आयोजकों को 11 हजार रुपये भेंटकर कबड्डी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

पशु क्रूरता मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पशु क्रूरता के लिए दो गायों को ले जाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सदर थाना प्रभारी सुंदरपाल ने बताया कि अनिल निवासी झज्जर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बीती 20 अप्रैल को गुरूग्राम मार्ग पर गौशाला के नजदीक मौजूद था। इसी दौरान एक गाड़ी गौशाला के पास से जाती दिखाई दी। जिसे शक की बिनाह पर चैक किया तो उसमें दो गाय मिली। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब गाड़ी चालक से गायों के बारे में पूछताछ की तो वह कुछ भी नहीं बता पाया। पकड़े गए आरोपी की पहचान सोनू गिरी निवासी दिल्ली के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बहादुरगढ़। रक्तदाता को बैज लगाकर प्रोत्साहित करती प्रिंसिपल व अन्य।

रक्तदाताओं को किया प्रोत्साहित

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ ने रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से गांव नूना माजरा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कैंप में तीन दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। कैंप में स्वयंसेविका अंकिता, पायल, कविता, तनुजा व प्रीति के साथ ही वाईआरसी काउंसलर सुनीता रानी व पूजा जिंदल ने बढ़-चढ़ कर अपना योगदान दिया। रक्त संचय में दीपक, हेल्थ एजुकेटर दीपक कुमार, मेडिकल ऑफिसर डॉ. विशाल, स्नेहा गौतम, राखी, रवि, आयुष, अरुण, भरत, संदीप व शिवकुमार ने अहम भूमिका निभाई। प्राचार्या डॉ.आशा शर्मा ने कहा कि एक यूनिट रक्तदान से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान से दिल की बीमारी को कम किया जा सकता है। स्वयंसेविकाओं ने शिविर में आए लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि रक्तदान करने से कई लोगों की जिंदगी बचती है। उन्होंने रक्तदाताओं के पंजीकरण, रक्तचाप जांच करने, बैज लगाने, फल, जूस आदि वितरित करने में अपना योगदान दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

भरपाई देवी से मिलने पहुंचे पूर्व सैनिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

पूर्व सैनिकों ने रविवार को गांव कानोंदा में पहुंचकर अस्वस्थ चल रही वयोवृद्ध वीरनारी भरपाई देवी से मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भरपाई देवी से मिलने वालों में पूर्व सैनिक संगठन के संस्थापक सूबेदार मेजर धर्मवीर कादयान भी शामिल रहे। बता दें कि भरपाई देवी के पति स्व. मुंशीराम ने 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में फौज में रहकर देशरक्षा के लिए अपना फर्ज अदा किया था। हालांकि 93 वर्षीय भरपाई देवी करीब दो महीने से बीमार चल रही हैं। यह जानकारी मिलते ही सूबेदार मेजर धर्मवीर कादयान व अन्य उनका कुशलक्षेम जानने पहुंचे। उनके पुत्र श्रीनिवास छिकारा से भी भरपाई देवी की सेहत के बारे में पूछताछ की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पूर्व सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह सांखोल ने बताया कि श्रीनिवास ने भी सेना में रहकर देश के प्रति अपना धर्म निभाया।

बहादुरगढ़। भरपाई देवी का कुशलक्षेम जानने कानोंदा पहुंचे पूर्व सैनिक।

नहीं थम रही वाहनों की चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में चोरी की वारदात नहीं थम रही। आए दिन कहीं न कहीं से वाहन उठाए जा रहे हैं। अब नयागांव में सड़क किनारे खड़ी ई-रिक्शा चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। नयागांव के निवासी प्रीतम का कहना है कि वह ई-रिक्शा चलाता है। सवारियां लेकर सिद्दीपुर गया था। वापसी में सिद्दीपुर-नयागांव नहर वाले रोड से लौट रहा था। जब नयागांव में पहुंचा तो लघुशंका के लिए ई-रिक्शा रोक दी और खेतों की ओर चला गया। कुछ मिनट में वापस आया तो ई-रिक्शा नहीं मिली। अपने स्तर पर खूब तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। पुलिस तलाशने में मदद करे।

प्रथम विश्व युद्ध में शहादत के 107 साल

छारा गांव के नंदलाल ने दिया था बलिदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

इराक के विशाल रेगिस्तान में प्रथम विश्व युद्ध का मोर्चा पर 21 अप्रैल 1917 को लड़ाई पर भेजी जाने वाली सैनिक टुकड़ी में छारा गांव के 22 वर्षीय युवक नंदलाल की ड्यूटी रसोईघर में थी लेकिन उनमें युद्ध में भाग लेने का जोश इतना ज्यादा था कि वे अपने उच्च अधिकारियों से अनुरोध करके लड़ाई के मोर्चे पर गए और अपूर्व वीरता दिखाकर शहीद हो गए और मरणोपरांत ब्रिटिश सरकार से प्रशंसा पत्र प्राप्त किया। भोपाल इंफेंटरी की प्रथम बटालियन में सेवारत शहीद नंदलाल का नाम इराक के बसरा मेमोरियल पर अंकित है।

स्वर्गीय नंदलाल के पौत्र और राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में प्राध्यापक डॉक्टर अमित भारद्वाज ने अपने दादा जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि प्रथम विश्वयुद्ध में भेजे गए सैनिकों में से 306 सैनिक छारावासी थे, जिनमें से 24 वीरगति को प्राप्त हुए। उस जमाने में फोटो खिंचवाना दुर्लभ था, इसलिए उनकी छवि केवल स्मृतियों में है। उन्होंने बताया कि दादाजी के शहीद होने के बाद दादी सरूपी देवी को मेडल, प्रशंसा पत्र, 24 रुपये प्रतिमाह पेंशन और कुछ जमीन सम्मान स्वरूप मिली थी, जिसके सहारे उन्होंने गुजर-बसर किया। दादीजी को केवल उनके शहीद होने की सूचना मिली, शहादत की तिथि और सही स्थान की कोई जानकारी नहीं थी। सौ साल बाद कामनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन की वेबसाइट जब दादा नंदलाल के बारे में जानकारी मिली तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

झज्जर। सरूपी देवी, फाईल फोटो तथा मरणोपरांत दिया गया प्रशस्ति पत्र।